**Seventeenth Loksabha**

an>

Title: Regarding modernisation of Makhana Research Centre situated in Darbhanga Parliamentary Constituency of Bihar.

**श्री गोपाल जी ठाकुर (दरभंगा):** माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले लोकप्रिय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बधाई देता हूं कि मिथिला की बेटी जगत जननी जगदंबा मां सीता के प्रति परमेश्वर भगवान श्रीराम के जन्मस्थली अयोध्या में दिव्य व भव्य मंदिर निर्माण को ट्रस्ट बनाने के लिए उनके ससुराल मिथिला वासियों की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं ।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय सदस्य, आपका यह विषय नहीं है । आप अपने विषय पर बोलें ।

**श्री गोपाल जी ठाकुर :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मखाना मिथिला क्षेत्र की एक प्रमुख फसल है, जिसकी उपज सिर्फ मिथिला क्षेत्र में होती है जिसमें प्रचुर मात्रा में आयरन एवं कैल्शियम की मात्रा पाई जाती है, जिसकी महत्ता को देखते हुए इसे बढ़ावा देने के लिए पूर्व प्रधान मंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के द्वारा 28 फरवरी 2002 को मिथिला में केन्द्र दरभंगा में राष्ट्रीय मखाना अुसंधान केन्द्र की स्थापना की गई थी । लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही केन्द्र की कांग्रेस सरकार ने 2005 में राष्ट्रीय दर्जा समाप्त कर इसे केवल मखाना अनुसंधान केन्द्र बना दिया था जिसके कारण इसमें निदेशक का पद और मिलने वाला फंड पूर्णतया समाप्त हो गया जिससे यह केन्द्र पूरी तरह से पंगु हो गया ।

पग-पग पोखर माघ मखाना के लिए प्रसिद्ध मिथिला जैसे जल ही जल वाले क्षेत्र में इसका उत्पादन क्षेत्र केवल 15000 हेक्टेअर दिखाया गया जबकि इसके लिए उपयोगी क्षेत्र 9.5 लाख हेक्टेअर से अधिक है । जिसमें कमल का फूल, मछली, मखाना और सिंघाड़ा की खेती प्रचुर मात्रा में होती है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि इस संस्थान को राष्ट्रीय केन्द्र का दर्जा मिले । दूसरा, इसके मुख्य संवर्द्धन, कीट विज्ञान, एवं

पौधा संबंधित वैज्ञानिकों की नियुक्ति की जाए । तीसरा, मखाना के लिए उन्नत प्रयोगशाला खोल कर इसमें निदेशक नियुक्त किए जाएं । …(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :**

डॉ. संजय जायसवाल को श्री गोपाल जी ठाकुर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।